

न्यायालय जिला कलक्टर एवं मजिस्ट्रेट, श्रीगंगानगर

विविध बैंक प्रकरण संख्या 204 / 2022(GCMS : 2022/296)

अदानी कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड का रजिस्टर्ड ऑफिस अदानी हाउस, 56 श्रीमाली सोसाईटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद, गुजरात-380009 में स्थित एवं कार्यरत है और जिसका एक कार्यालय वन बीकेसी, सी.विंग 1004/5 दसवीं मंजिल बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लैक्स, बान्द्रा ईस्ट, मुम्बाई महाराष्ट्र-400051 एवं जिसका एक कार्यालय एस 18-19, महिमा ट्रिनिटी मॉल, प्लॉट नं. 5, स्वेज फार्म, न्यू सांगानेर रोड़, सोडाला, जयपुर राजस्थान 302019 में स्थित एवं कार्यरत है। जरिये प्राधिकृत अधिकारी श्री रोहन बागड़ी है।

बनाम

1. **Late Mr. kashish Kumar** through it's **Legal Heirs Mrs. Manisha Bajaj(Wife)**
Address 1: Ward No. 13, Near Surya Shiksha School, Sadulshahar District-Ganganagar Rajasthan-335062
Address 2 : Plot No. 59, Sector No. 01, Ward 11, Sadulshahar District Ganganagar Rajasthan
2. **Late Mr. Kashish Kumar** through its **Legal Heirs Mr. Niranjn Dass (Father)**
Address Ward No. 13, Near Surya Shiksha School, Sadulshahar District-Ganganagar Rajasthan-335062
3. **Late Mr. Kashish Kumar** through it's **Legal Heirs Mrs. Tammana Rani (Step mother)** Address Ward No. 13, Near Surya Shiksha School, Sadulshahar District-Ganganagar Rajasthan-335062
4. **Late Mr. Kashish Kumar** through it's **Deceased Legal Heirs Mrs. Sarita Devi (Real Mother) through it's Legal Heirs Mr. Niranjn Dass (Husband)** Address Ward No. 13, Near Surya Shiksha School, Sadulshahar District-Ganganagar Rajasthan-335062

14.08.2023

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी बैंक/कम्पनी ने जरिये अधिवक्ता श्री विपिन सिद्ध एवं विश्वेन्द्र बिश्नोई ने एक प्रार्थना पत्र वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत दिनांक 23.12.2022 को प्रस्तुत किया है कि प्रार्थी बैंक/कम्पनी द्वारा अप्रार्थीगण Late Mr. kashish Kumar through it's Legal Heirs Mrs. Manisha Bajaj(Wife), Late Mr. Kashish Kumar through its Legal Heirs Mr. Niranjn Dass (Father), Late Mr. Kashish Kumar through it's Legal Heirs Mrs. Tammana Rani (Step mother) & Late Mr. Kashish Kumar through it's Deceased Legal Heirs Mrs. Sarita Devi (Real Mother) through it's Legal Heirs Mr. Niranjn Dass (Husband) को ऋण सुविधा के रूप में राशि 19.20/- लाख रुपये (अखरे रुपये उन्नीस लाख बीस हजार मात्र) का ऋण स्वीकृत किया



Am
जिला मजिस्ट्रेट
श्री गंगानगर

की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी स्व. कशिश कुमार पुत्र श्री निरंजन दास के विधिक वारिसान द्वारा बंधक रखी अपनी अचल सम्पत्ति प्लॉट नं. 59(क्षेत्रफल लगभग 225 वर्गगज) सैक्टर नं. 01, वार्ड नम्बर 11 सादुलशहर, का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक को पुलिस की सहायता से दिलाया जाने की प्रार्थना की है।

मैंने, पत्रावली में उपलब्ध उनके प्रार्थना पत्र धारा 14, शपथ पत्र एवं अन्य उपलब्ध दस्तावेजात का भी अवलोकन किया तो पाया कि उक्त प्रार्थना पत्र के अनुसार प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थीगण Late Mr. Kashish Kumar through it's Legal Heirs Mrs. Manisha Bajaj(Wife), Late Mr. Kashish Kumar through its Legal Heirs Mr. Niranjan Dass (Father), Late Mr. Kashish Kumar through it's Legal Heirs Mrs. Tammana Rani (Step mother) & Late Mr. Kashish Kumar through it's Deceased Legal Heirs Mrs. Sarita Devi (Real Mother) through it's Legal Heirs Mr. Niranjan Dass (Husband) को 19.20/- लाख रूपये (अखरे रूपये उन्नीस लाख बीस हजार रूपये मात्र) के ऋण राशि की स्वीकृति दिनांक 26.09.2019 को प्रदान की थी ऋण की सुरक्षा की एवज में अप्रार्थी स्व. कशिश कुमार पुत्र श्री निरंजन दास जरिये विधिक वारिसान की सम्पत्ति प्लॉट नं. 59(क्षेत्रफल लगभग 225 वर्गगज) सैक्टर नं. 01, वार्ड नम्बर 11 सादुलशहर, प्रार्थी बैंक के पास रहन रखी। प्रार्थी बैंक के प्रार्थना धारा 14 एवं उसके समर्थन में प्रस्तुत दस्तावेजात एवं शपथ पत्र के अनुसार अप्रार्थी ऋणी का खाता दिनांक 14.06.2022 को अनर्जक परिसम्पत्ति (एन.पी.ए.) हो गया। बैंक द्वारा अप्रार्थी ऋणी को धारा 13(2) के नोटिस दिनांक 14.06.2022 को जारी कर पोस्ट ऑफिस के रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 15.06.2022 को भिजवाये गये है, अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस भेजने की रसीद एवं ऑनलाईन ट्रैक पत्रावली उपलब्ध है किन्तु ऑनलाईन ट्रैक पर रिपोर्ट के अनुसार अप्रार्थीगण को धारा 13(2) का नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है, जिसके अनुसार, समस्त अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की विधिवत् तामील होना नहीं माना जा सकता।

वित्तिय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के अन्तर्गत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करने के लिए विवादग्रस्त सम्पत्ति जिसका भौतिक कब्जा चाहा जा रहा है वह सम्बन्धित जिला


जिला मजिस्ट्रेट
श्री बंगानगर

मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में होना आवश्यक है और दूसरा सम्बन्धित ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की तामील ऋणियों/जमानतदारों पर विधिवत् रूप से होनी आवश्यक है।

जहां तक ऋण की एवज में बंधक रखी गई अप्रार्थी स्व. कशिश कुमार पुत्र श्री निरंजन दास जरिये विधिक वारिसान की सम्पत्ति प्लॉट नं. 59(क्षेत्रफल लगभग 225 वर्गगज) सैक्टर नं. 01, वार्ड नम्बर 11 सादुलशहर, जो प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी हुई है, का संबंध है, वह निम्न हस्ताक्षरकर्ता के क्षेत्राधिकार जिला श्रीगंगानगर में स्थित है। इसलिए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 के तहत निम्न हस्ताक्षरकर्ता कार्रवाई करने के लिए सक्षम है।

जहां तक अप्रार्थीगण ऋणियों पर धारा 13(2) के जारी नोटिस दिनांक 14.06.2022 की तामील का प्रश्न है। प्रार्थना पत्र के अनुसार दिनांक 14.06.2022 को 60 दिवस में राशि जमा करवाने का धारा 13(2) के नोटिस अप्रार्थीगण को रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 15.06.2022 को भिजवाना अंकित है। अप्रार्थीगण को धारा 13(2) का नोटिस भिजवाने की रसीद एवं ऑन लाईन ट्रैक पत्रावली में उपलब्ध है किन्तु अप्रार्थीगण को धारा 13(2) का नोटिस प्राप्त होने के ऑनलाईन ट्रैक पर रिपोर्ट – **Item Returned DECEASED** के अनुसार उसे धारा 13(2) के नोटिस की विधिवत् तामील नहीं हुई है। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 अन्तर्गत धारा 14 के अनुसार अप्रार्थीगण ऋणियों को धारा 13(2) का 60 दिवस का नोटिस जारी करने पर यदि अप्रार्थीगण ऋणियों पर नोटिस की तामील नहीं होती है और अप्रार्थीगण नोटिस की तामील से बचने का प्रयास करते हैं तो नोटिस की प्रति उनके निवास स्थान पर चस्पा कर, दो समाचार पत्रों में धारा 13(2) के नोटिस का प्रकाशन करवाना आवश्यक होता है परन्तु प्रार्थी बैंक ने धारा 13(2) का नोटिस दिनांक 14.06.2022 को जारी कर पोस्ट ऑफिस की रजिस्टर्ड डाक से अप्रार्थीगण को भिजवाया है, किन्तु अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की तामील नहीं हुई है, इसलिए समस्त अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस

की विधिवत् तामील नहीं होने पर, प्रार्थी बैंक ने धारा 13(2) के नोटिस की प्रति उनके निवास स्थान पर चस्था किये बिना ही, दो समाचार पत्रों सीमा संदेश एवं इण्डियन एक्सप्रेस में दिनांक 13.07.2022 प्रकाशित करवाया है।

नोटिस तामील के सम्बन्ध में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 के नियम 3 निम्नानुसार अवलोकनीय है:

Demand Notice

The service of demand notice as referred to in sub-section (2) of section 13 of the Ordinance shall be made by delivering or transmitting at the place where the borrower or his agent, empowered to accept the notice or documents on behalf of the borrower, actually and voluntarily resides or carries on business or personally works for gain, by registered post with acknowledgement due, addressed to the borrower or his agent empowered to accept the service or by Speed Post or by courier or by any other means of transmission of documents like fax message or electronic mail service:

ROVIDED that where authorised officer has reason to believe that **the borrower or his agent is avoiding the service of the notice or that for any other reason, the service cannot be made as aforesaid, the service shall be effected by affixing a copy of the demand notice on the the outer door or some other conspicuous part of the house or building in which the borrower or his agent ordinarily resides or carries on business or personally works for gain and also by publishing the contents of the demand notice in two leading newspaper, one in vernacular language, having sufficient circulation in that locality.**

(2) Where the borrower is a body corporate the demand notice shall be served on the registered office or any of the brances of such body corporate as specified under sub rule(a)

(3) Any other notice in writing to be served on the borrower or his agent by authorised officer, shall be served in the same manner as provided in this rule.

(4) Where there are more than one borrower the demand notice shall be served on each borrower.

चूँकि प्रार्थीगण धारा 13(2) के नोटिस दिनांक 14.06.2022 को जारी कर रजिस्टर्ड डाक से दिनांक 15.06.2022 को भिजवाये गये है और धारा 13(2) के नोटिस की तामील अप्रार्थीगण ऋणी/सहऋणी/गारंटर पर नोटिस की तामील स्वयं पर

Am
जिला मजिस्ट्रेट
श्री मंगानकर


होनी आवश्यक है जबकि समस्त अप्रार्थीगण को धारा 13(2) के नोटिस की तामील स्वयं पर नहीं हुई है जो उक्त THE SECURITY INTEREST (ENFORCEMENT) RULES, 2002 के RULE 3(4) के प्रावधानों की अवहेलना है। इस प्रकार समस्त अप्रार्थीगण ऋणियों पर धारा 13(2) के नोटिस की विधिवत् तामील होना नहीं माना जा सकता।

कोई भी न्यायालय किसी भी प्रचलित/प्रभावी अधिनियम के प्रावधानों के बाहर जाकर कोई निर्देश/आदेश जारी नहीं कर सकता है और इसके सम्बन्ध माननीय उच्चतम न्यायालय की खण्डपीड ने 2012 Cr. I.R.(SC) 726 - State of Bihar & Anr versus Arvind Kumar & Anr के पैरा-13 में भी निम्न प्रकार से निर्देश दिये हैं :

13. In Manish Goel Vs Rohini Goel, AIR 2010 SC 1099, this Court has held that generally, no Court has competence to issue a direction contrary to law nor the Court can direct an authority to act in contravention of the statutory provisions. The Courts are meant to enforce the rule of law and not to pass the orders or directions which are contrary to what has been injected by law. [see also : Vice Chancellor, University of Allahabad & Ors. Vs Dr. Anand Prakash Mishra & Ors., (1997) 10 SCC 264; and Karnataka State Road Transport Corporation Vs Ashrafulla Khan & Ors, AIR 2002 SC 629]

चूंकि अप्रार्थीगण पर उक्त RULE 3(4) के प्रावधानों के तहत धारा 13(2) के नोटिस की तामील न होने के कारण एवं उक्त कानूनी प्रावधानों की अवहेलना होने के कारण एवं अप्रार्थी स्व. कशिश कुमार का वारिसनामा पत्रावली में उपलब्ध नहीं है। इसलिए प्रार्थी अदानी कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड का उक्त प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 स्वीकार करने योग्य नहीं है। प्रार्थी बैंक का उक्त प्रार्थना खारिज किया जाता है। प्रार्थी बैंक उक्त अधिनियम 2002 की पूर्ण पालना करते हुए, नये सिरे से कर पुनः धारा 14 का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के लिए स्वतन्त्र है। आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक को पालनार्थ भिजवाई जावे। पत्रावली दर्ज रजिस्टर होकर, बाद तर तीव तकमील दाखिल दफ़तर हो।

यह आदेश आज दिनांक 14.08.2023 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(अशदीप)

जिला माजस्ट्रेट
श्री बंगलूर